Literacy for a Billion

Movie: Parasmani
Year: 1963

Song: Woh Jab Yaad Aaye
Lyricist: Asad Bhopali

वो जब याद आए
बहुत याद आए
वो जब याद आए
बहुत याद आए

ग़म-ए-जिंदगी के अँधेरे में हमने
चराग़-ए-मोहब्बत जलाए बुझाए
वो जब याद आए
बहुत याद आए

आहटे जाग उठीं
रास्ते हँस दिए
थामकर दिल उठे
हम किसी के लिए
कई बार ऐसा भी धोखा हुआ है
चले आ रहे हैं
वो नज़रे झुकाए

वो जब याद आए
बहुत याद आए
वो जब याद आए
बहुत याद आए
ग़म-ए-जिंदगी के अँधेरे में हमने
चराग़-ए-मोहब्बत जलाए बुझाए
वो जब याद आए

बहुत याद आए

दिल सुलगने लगा
अश्क बहने लगे
जाने क्या-क्या हमें लोग कहने लगे
मगर रोते-रोते हँसी आ गयी हैं
ख़यालों में आ के
वो जब मुस्कुराए
वो जब याद आए
बहुत याद आए

वो जुदा क्या हुए
जिंदगी खो गई
शम्मा जलती रही
रोशनी खो गई

बहुत कोशिशें कीं मगर दिल ना बहला
कई साज छेड़े
कई गीत गाये

वो जब याद आए
बहुत याद आए
वो जब याद आए
बहुत याद आए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.